भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं० 61

दिनांक 7 दिसम्बर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

ऑटोमोबाइल का निर्यात

61. श्री प्रतापराव जाधवः
श्री रवि किशनः
श्री रविन्दर कुशवाहाः
श्री सुब्रत पाठकः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री मनोज तिवारीः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों के दौरान ऑटोमोबाइल, विशेषकर कारों के निर्यात में कमी पर ध्यान दिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश से निर्यात की गई कारों सहित ऑटोमोबाइल की ऑटोमोबाइल–वार संख्या कितनी है;

(घ) देश से ऑटोमोबाइल के निर्यात को बढ़ावा देने में सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है;

(ड) क्या सरकार ने ऑटोमोबाइल का निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यातकों को कोई प्रोत्साहन दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा ऑटोमोबाइल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्यमंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ग): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान कारों सहित भारत से ऑटोमोबाइल का निर्यात नीचे दिया गया है

(वाहनों की संख्या)

श्रेणी	2019-20	2020-21	2021-22
यात्री कारें	4,75,801	2,64,907	3,74,986
उपयोगी वाहन	1,83,468	1,37,842	2,01,036
वैन	2,849	1,648	1,853
कुल यात्री वाहन	**6,62,118**	**4,04,397**	**5,77,875**
एम एंड एचसीवी	22,333	17,548	32,181

एलसीवी	38,046	32,786	60,116
कुल व्यववसायिक वाहन	**60,379**	**50,334**	**92,297**
तिपहिया वाहन	**5,01,651**	**3,93,001**	**4,99,730**
स्कूटर	3,69,998	2,32,020	3,50,330
मोटरसाइकिलें	31,35,548	30,42,453	40,82,442
मोपेड	13,859	8,313	10,246
कुल दुपहिया वाहन	**35,19,405**	**32,82,786**	**44,43,018**
क्वाडरीसाईकिल	5,185	3,529	4,326
कुल योग	**47,48,738**	**41,34,047**	**56,17,246**

(स्रोतः एसआईएएम)

उपरोक्त तालिका के आंकड़ों से पता चलता है कि ऑटोमोबाइल की कुल संख्या का निर्यात 2020–21 में 41,34,047 से बढ़कर 2021–22 में 56,17,246 हो गया, जिसमें 35.9% की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। इसमें से कारों सहित यात्री वाहनों का निर्यात 2020–21 में 4,04,397 से बढ़कर 2021–22 में 5,77,875 हो गया, जिसमें 42.9% की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

(घ): कोविड और यूक्रेन–रुस संघर्ष के बाद आपूर्ति में व्यवधान के कारण चिप्स/सेमी–कंडक्टर की कमी थी।

(ड) और (च): भारत सरकार ऑटोमोबाइल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सक्रिय उपाय कर रही है, जिसमें शामिल हैं:

(i) कोविड–19 महामारी की स्थिति को देखते हुए विदेश व्यापार नीति (2015–20) को 31–03–2023 तक बढ़ा दिया गया है।

(ii) अग्रिम प्राधिकार पत्र, निर्यात संवर्धन पूंजीगत माल स्कीम, निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट से संबंधित स्कीम (आरओडीटीईपी) आदि जैसी विभिन्न स्कीमें उपलब्धं कराई गई हैं।

(iii) भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों की सक्रिय भूमिका को बढ़ाया गया है और निर्यात निगरानी के लिए निर्यात पोर्टल तक पहुंच प्रदान की गई है।

(iv) आरबीआई ने भारतीय रुपये में चालान, भुगतान और व्यापार निपटान के लिए अतिरिक्त व्यवस्था स्थापित करने का निर्णय लिया है।

(v) भारत सरकार ने हाल ही में अन्य लोगों तक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए अनुकूल बाजार पहुंच प्रदान करने के लिए यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौतों सहित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

(vi) भारत सरकार ने पांच साल की अवधि में 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम को मंजूरी दी है।

(vii) भारतीय मोटर वाहन मानकों को वैश्विक मानकों के साथ सुमेलित करने के लिए सरकार ने समय–समय पर विभिन्न विनियमों को अधिसूचित किया है।

*****